

**Mohanlal Sukhadia University
Udaipur (Raj.)**

Syllabus

Scheme of Examination and Courses of Study

FACULTY OF HUMANITIES



**NOT FOR SALE
FOR OFFICE USE ONLY**

M.A. HINDI LITERATURE

Previous Examination : 2007-2008

Final Examination : 2008-2009

Edition : 2007

Price : Rs.20/-

POST GRADUATE PROGRAMME

M.A.HINDI LITERATURE EXAMINATION 2007-08 & 2008-09

Eligibility : Graduation in any faculty is eligible in post graduate programme.

1. At each of the Previous and Final Year Examination in a subject, a candidate must obtain for a pass at least 36 % marks in practical, wherever prescribed, at the examination; provided that if a candidate fails to secure 25% marks in each individual paper of theory at any of the examination and also in the Dissertation; wherever prescribed, he/she shall be deemed to have failed at the examination, notwithstanding his/her having obtained the minimum percentage of marks required in the aggregate for the examination. Division will be awarded at the end of the Final Examination of the combined marks obtained at the Previous and the Final Examinations taken together as noted below. No Division will be awarded at the Previous Examination.

First Division	: 60 Percent	} of the total
		} aggregate marks
Second Division	: 48 Percent	} of Previous and
		} Final Year taken
Third Division	: 36 Percent	} together.

Note : The candidate is required to pass separately in theory and practicals.

2. Dissertation may be offered by regular students only in lieu of one paper of Final Year Examination as prescribed in the syllabus of the subject concerned. Only such candidates will be permitted to offer

Published by :
Mohanlal Sukhadia University
Udaipur

Printed at :
National Printers
124, Chetak Marg, Udaipur
Phone : 2523830, 2561030
"Offset House" Bhuwana
Phone : 2440994

dissertation who have secured atleast 50% marks in the aggregate at the previous examination.

Note: Dissertation shall be type-written and shall be submitted in triplicate, so as to reach the Controller of Examinations atleast two weeks before the commencement of Examination without late fee.

3. There shall be 10 papers in P.G. examination. Eight papers will be compulsory and two papers will be optional.

4. Each theory paper will be of three hours duration. The theory Question paper will be Divided into three parts :

- (A) The part will consist of 10 objective type short answer questions carrying 1 mark with no choice. Two questions will be given from each unit (10 marks)
- (B) This part will consist of total ten questions, two questions will be from each unit with internal choice. Each question will be of 10 marks with about 250 words (50 marks).
- (C) This part will consist of four descriptive questions. Two questions will have to be attempted. Each question will be of 20 marks with about 500 words. These questions may have two parts in one question.

5. Wherever practicals are prescribed the scheme will be included in the syllabus.

6. A candidate who has completed a regular course of study for one academic year and Passed M.A. / M.Sc. / M.Com. Previous Examination of the university shall be admitted / Permitted to the Final Year class

Examination for the degree of Master of Arts / Master Of Science / Master of Commerce provided that he / she has passed in atleast 50% of the papers at the previous examination by obtaining atleast 36% marks in each such paper.

- (A) For reckoning 50% of the papers at the previous examination, practical will be included and one practical will be counted as one paper.
- (B) A candidate will be required to pass in at least 50% of Theory Papers and 50% Practical Papers separately as mentioned in the mark sheet Rule 4(a).
- (C) Where a candidate fails for want of securing minimum aggregate marks but secured 36% marks in atleast 50% of the papers, he/she will be exempted from re-appearing in those papers in which he/she has secured 36% marks.
- (D) Where the candidate secures requisite of minimum percentage in the aggregate of all the papers but fails for want of the requisite minimum percentage of marks prescribed for each individuals paper he/she shall be exempted from re-appearing in such paper (s) in which he / she has secured atleast 25% marks.

7. A candidate who has declared fail at the Final Year Examination for the degree of Master of Science / Arts, Commerce shall be exempted from reappearing in a subsequent year in the following papers :

- (A) Where a candidate fails for want of securing the minimum percentage in the aggregate marks, he/she shall be exempted from re-appearing in

such paper (s) Practical (s). Dissertation in which he/she has secured atleast 36% marks; provided he/she is passing in atleast 50% of the papers. (Here passing in each paper requires 36% marks).

- (B) Where a candidate secures the minimum requisite including dissertation wherever prescribed but fails for want of minimum percentage of marks prescribed for in each individual paper / dissertation, he / she shall be exempted from reappearing in such paper (s) dissertation in which he/she has secured atleast 25% marks provided he/she is passing in atleast 50% of the paper (here passing in each paper requires 25% marks).

INTERNAL ASSESSMENT : 25 MARKS

- (a) **Assignment : 5 Marks** - On the basis of performance in the assignment (one assignment of 5 marks)
- (b) **Internal examination : 10 Marks** - On the basis of performance in two internal examinations of 5 marks each of minimum one hour duration. One to be conducted in the month of November-December and the other in the month of February.
- (c) **Seminar : 5 Marks** - On the basis of performance in the seminar given by the students. Students are required to give seminar on topics from the concerned paper.
- (d) **Attendance : 5 Marks** - Students who have attended more than 75% classes in each paper separately during the session.

एम.ए. हिन्दी साहित्य

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दस प्रश्न-पत्र होंगे जो 100-100 अंकों के होंगे। प्रत्येक प्रश्न-पत्र में 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन के तथा 75 अंक सैद्धान्तिक मूल्यांकन के होंगे।

एम. ए. (पूर्वाह्न) परीक्षा (2007-2008)

इस परीक्षा में निम्नांकित पाँच प्रश्न-पत्र होंगे -

- प्रथम प्रश्न-पत्र - हिन्दी साहित्य का इतिहास
(प्राचीन एवं मध्यकाल)
- द्वितीय प्रश्न-पत्र - हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आधुनिक काल)
- तृतीय प्रश्न-पत्र - साहित्य शास्त्र
- चतुर्थ प्रश्न-पत्र - आधुनिक काव्य
- पंचम प्रश्न-पत्र - कथा साहित्य

एम.ए. (उत्तराह्न) परीक्षा (2008-2009)

इस परीक्षा में निम्नांकित पाँच प्रश्न-पत्र होंगे -

- षष्ठ प्रश्न-पत्र - प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
- सप्तम प्रश्न-पत्र - भाषा विज्ञान

अष्टम प्रश्न-पत्र - नाटक एवं रंगमंच

नवम प्रश्न-पत्र (कोई एक)

- निबन्ध एवं अन्य विधाएँ
(स्वयंपाठी छात्रों के लिए अनिवार्य)
- तुलनात्मक भारतीय साहित्य
- लोक साहित्य

दशम प्रश्न-पत्र (कोई एक)

- रचनाकार का विशेष अध्ययन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी
(स्वयंपाठी छात्रों के लिए अनिवार्य)

सभी प्रश्नपत्रों के लिए अंक योजना समान एवं निम्न होगी -
सम्पूर्ण प्रश्न पत्र तीन खण्ड - 'अ', 'ब', 'स' में विभक्त होगा। प्रश्नपत्र 75 अंक का होगा, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा -

खण्ड 'अ' में एक-एक अंक के विकल्प रहित दस वस्तुनिष्ठ लघु उत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न होंगे। (10 अंक)

खण्ड 'ब' में दस-दस अंक के विकल्प सहित पाँच प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न होंगे। इन प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों तक दिये जा सकते हैं। (35 अंक)

खण्ड 'स' में बीस-बीस अंक के विकल्प सहित दो प्रश्न होंगे। जिनका उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा। इन प्रश्नों में एक प्रश्न के दो भाग भी हो सकते हैं। (30 अंक)

एम.ए. (पूर्वाद्ध) हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न-पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (प्राचीन एवं मध्यकाल)

पाठ्य विषय : पाँच इकाइयों में विभक्त होगा - अंक 100

इकाई - I

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, इतिहास दर्शन, स्रोत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण, आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासोकाव्य, लौकिक साहित्य, जैन साहित्य।

आदिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई - II

भक्ति आन्दोलन के उदय के सामाजिक सांस्कृतिक कारण, विभिन्न काव्य धाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य।

भक्तिकाल : स्वरूप और भेद-निर्गुण और सगुण का संबंध - साम्य और वैषम्य।

निर्गुण भक्ति : वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण संत कवि - कबीर, नानक, दादू, रैदास। निर्गुण काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, निर्गुण काव्य की सामाजिक चेतना।

भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रन्थ, सूफी प्रेमाख्यानकों का स्वरूप, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्त्व।

इकाई - III

कृष्ण काव्य : अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय, गीत परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य। प्रमुख कवि - सूरदास, मीरा, रसखान। वल्लभाचार्य का योगदान।

राम काव्य : राम कथा और तुलसीदास, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ और मध्य युग के संतों का सामान्य विश्वास, प्रेम ही परम पुरुषार्थ, गुरु का महत्त्व, नाम माहात्म्य, आत्मसमर्पण।

भक्तीतर काव्य, भक्तिकालीन गद्य साहित्य।

भक्ति आन्दोलन का महत्त्व, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप, लौकिकता, धार्मिक समन्वय, पाखण्ड निषेध, जीवन का साहित्य।

इकाई - IV

रीति काल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, रीतिकाल के मूल स्रोत, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थों की परम्परा, कवि समय और कवि प्रसिद्धि

ऐहिकतापरक काव्य का आविर्भाव, सतसई परम्परा, आभीर गणों के साथ संबंध।

इकाई - V

रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ

रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिकाव्य में लोक जीवन, मध्यकालीन काव्य में मुसलमान कवियों का योगदान
रीतिकाल का महत्त्व, रीतिकालीन गद्य एवं अन्य साहित्य

सहायक ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - रामचन्द्र शुक्ल
नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी
राजकमल प्रकाशन, 1 बी, नेताजी सुभाष मार्ग,
नई दिल्ली - 110002
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सं. - डॉ. नगेन्द्र
मयूर पेपर बैक्स, ए-95, सेक्टर-5, नोएडा-201301
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
राधाकृष्ण प्रकाशन, 2/38 अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई
दिल्ली-110002
5. हिन्दी साहित्य : स्वरूप एवं संवेदना - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
लोक भारती, 15 ए, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद - 1
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सामान्य परिचय -
विश्वनाथ त्रिपाठी, एन.सी.ई.आर.टी., श्री अरविन्द मार्ग,
नई दिल्ली-110016
7. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. इतिहास और आलोचना - नामवर सिंह
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. परम्परा का मूल्यांकन - रामविलास शर्मा
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीलाल वैरागी
संधी प्रकाशन, सी- 177, महावीर मार्ग मालवीय नगर,
जयपुर - 302017